



कुलगीत

ज्ञान ज्योति उपासमहे, ज्ञान ज्योति उपासमहे - 2

पवन-उपवन बीच विद्यालय हमारा-2

युगल संस्कृति ने इसे मिलकर सवाँरा

सर्वजन रहते समन्वित हैं यहाँ,

रज़ा के सौजन्य का फल ज्ञान सारा

प्रेरणा उपलब्धिमय यह प्रगति पथ पूजित रहे

चिर सफल आदर्श वाणी ज्ञान ज्योति उपासमहे

ज्ञान ज्योति उपसमहे - 2

भव्यतम बहिरंग है बहुरंग वाला

संग इसकी एकता का ढंग आला - 2

विषमताएँ हैं मुखर, समता मुखरतर है यहाँ,

विहँसता उपवन सजी ज्यों पुष्पमाला

रज़ा विद्या वाटिका के सब सुमन हो महमहे

एक स्वर में मंत्र गूँजे, ज्ञान ज्योति उपासमहे

ज्ञान ज्योति उपासमहे, ज्ञान ज्योति उपासमहे -2

<https://www.youtube.com/watch?v=8Et0J2yYs-M>

